मूल्यनिष्ठ शिक्षा से ही भारत को विश्व गुरू बनाने की राह होगी आसान

ज्ञानसरोवर। व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञानसरोवर परिसर (माउण्ट आबू) में 21 से 25 अप्रैल 2023 `**आध्यात्मिकता द्वारा व्यापार एवं उद्योग में कुशलता'** विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस सम्मेलन में 400 से अधिक मेहमानों ने भाग लियां।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका एवं ज्ञानसरोवर परिसर की निर्देशिका ब्र.कु.डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि वर्तमान समय अनेक चुनौतियां हर वर्ग के सम्मुख हैं। ऐसे समय पर यदि आप इस आध्यात्मिक ईश्वरीय ज्ञान का अपने जीवन में समावेश करेंगे तो आप स्वयं में हर परिस्थिति को पार करने की शक्ति अनुभव करेंगे। राजयोग से प्राप्त परमात्म शक्तियां आपको शक्तिशाली बना देती हैं। सहन करने वा सामना करने का सामर्थ्य भी आप प्राप्त कर पाते हैं। जीवन में संतुलन लाने के लिए यह आध्यात्मिक ज्ञान आवश्यक है। बैलेंस ही सर्व की ब्लैसिंग दिलाता है। आपको ना केवल परिवारजनों का बल्कि आपके कार्यक्षेत्र से जुड़े हर व्यक्ति का सम्मान प्राप्त होगा।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.योगिनी बहन ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराकर परमात्म अनुभूति कराई। उन्होंने कहा कि व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े आप महानुभाव भारत की सच्ची निधि हैं। आपका देश की प्रगति में योगदान श्रेष्ठ है। कार्यक्षेत्र में सहज सफलता प्राप्त करने एवं तनाव से मुक्त रहने के लिए राजयोग का अभ्यास आवश्यक है।

सियाराम सिल्क मिल्स लिमि. के मैनेजिंग डायरेक्टर, रमेश पोद्दार ने कहा कि इस परिसर में प्रवेश करते ही यहां की सकारात्मकता ने मन को प्रफुल्लित कर दिया। ब्रह्माकुमारीज़ के आध्यात्मिक ज्ञान ने मेरे व्यक्तिगत जीवन में, मेरे सोचने के स्तर में अद्भुत व सुखद परिवर्तन लाया है। मुख्य पांच बातें जो इस संस्था से सीखी हैं वह हैं कि परिस्थिति को कभी अपने ऊपर हावी होने ना दें। जो स्वयं को चाहिए वह दूसरों को बांटो, जितना दूसरों को देंगे उतना हमें प्राप्त होगा। हमें हमेशा मुस्कुराते रहना चाहिए, सदा के लिए यह खुशबू यहां से भरकर जाना है। दूसरों की बातों को शांति व धीरज से सुनना चाहिए। जो आपको कष्ट देते हैं उन्हें दिल से दुआएं व शुभभावनाएं व कल्याण की भावनाएं दें।

फ्यूचर ग्रुप के संस्थापक एवं सीईओ किशोर बियानी ने कहा कि आध्यात्मिकता का संदेश देने वाली इस संस्था की आज विश्व को बहुत जरूरत है। व्यापार में ग्राहक को संतुष्ट करने और प्रतिस्पर्धा में विजय पाने की चुनौती होती है। निरंतर श्रेष्ठ कर्म करने लिए निरंतर प्रयास व एकाग्रता की आवश्यकता होती है। इसमें यह राजयोग मेडिटेशन बहुत मददगार साबित होगा।

नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लिमि. हैदराबाद के चेयरमेन के.एस.राजू ने कहा कि आप सभी भाग्यवान हैं जो यहां आध्यात्मिकता का अनुभव करने के लिए आये हैं। आज सबसे बड़ी गलती यह हो रही है कि व्यक्ति अपनी सत्य पहचान को भूल गया है। दर्पण में हम भले अपने शरीर को देखते हैं लेकिन हम वास्तव में उससे भिन्न एक चैतन्य ऊर्जा हैं। यह शरीर एक साधन है व्यवहार के लिए। आंतरिक परिवर्तन ही बाह्य परिवर्तन ला सकता है।

विराज प्रोफाइल्स लिमि. के सीएमडी नीरज कोचर ने कहा कि कोविड के समय मैं ब्रह्माकुमारी संस्था से नियमित रूप से जुड़ा। उस समय सब कुछ बंद होने के कारण हमारी फैक्ट्री भी बंद होने के कारण मेरा तनाव बढ़ा हुआ था। उस दौरान मैने राजयोग मेडिटेशन करना आरंभ किया। उस दिन से आज दिन तक मैं नियमित रूप से इस आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग का अभ्यास कर रहा हूँ। मेरी प्रोडक्शन टीम के बारह हजार लोगों का जीवन इस आध्यात्मिक ज्ञान से सकारात्मकता से भर गया है। मेरी दिनचर्या अमृतवेला चार बजे के मेडिटेशन से आरंभ हो जाती हैं। मै दिन भर आत्मविश्वास व आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर अनुभव करता हूँ। यह आध्यात्मिक ज्ञान ऐसी चाबी है जिससे हर समस्या रूपी ताला खुल जाता है। यह आध्यात्मिक ज्ञान प्रकाश है जो सत्य राह दिखाता है।

ओएनजीसी लिमि. के चेयरमेन अरूण कुमार सिंह ने कहा कि पांच महीने से मैं नियमित रूप से इस संस्था से जुड़कर राजयोग का अभ्यास कर रहा हूँ। सुबह सेंटर जाकर ज्ञान मुरली सुनने का आनंद शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता। व्यस्त जीवन होने के बाद भी मैं सुबह का राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कभी नहीं छोड़ता। रोज मैं चार घण्टे आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग के लिए देता हूँ। मैं अपने जीवन को सही अर्थ में सम्पूर्ण अनुभव कर रहा हूँ।

चन्द्रशेखर चोरे, ज्वाइंट मुनिसिपल कमिश्नर बीएमसी मुम्बई ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े सदस्यों से मिलने व देखने से ही लगता है कि ये लोग कुछ अलग हैं। इनमें दिव्यता का अनुभव होता है। इनमें दूसरों को देने की क्षमता है। यहां जो ईश्वरत्व है उसको हम प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

प्रभाग की मुख्यालय सयोजिका ब्र.कु.गीता बहन ने सभी का स्वागत किया और संस्था के बारे में जानकारी दी। प्रभाग के कार्यक्रम संयोजक ब्र.कु.हरेश ने प्रभाग की सेवाओं से अवगत कराया। मधुरवाणी ग्रुप ने सुमधुर गीत द्वारा सबका स्वागत किया। ब्र.कु. मोहनभाई पटेल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आमंत्रित मेहमानों का तथा सभा में उपस्थित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। मुम्बई की कुमारी अयेशा ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। मंच संचालन ब्र.कु.प्रतिभा एवं ब्र.कु.अमृता ने किया।